एडस् के दवा नायबां। एडस् होव्यपे 5-7 साल में भारतीय आदमी मर जाथं।

एडस् भयलं-

मतलब एडस् भयल व्यक्ती से शारिरिक संभोग होईके ओसे ई रोग दुसरे में फईलथ। महतारी के एडस् हवत ओकरे लडक्यॉ के होय सकथं। एडस् क विषाणू अगर शरीर में खराब इंन्जेक्शन दिया जाईत ऐडस् होई सकथं। एडस् हयूमन इम्युनो डेफीशीअन्सी नामक व्हायरस के जन्तूं से होथ। ई जन्तूं शरीर क प्रतिकार शक्ती खत्म कई देथेन। ऐसे रोग क मुकाबला नाय कर पावत अऊर ओसे

आदमी मर जाथं। जईसे कवनव गुड्डा कवनव हटाकट्टा ताकदवार आदमी के जकड़ लेयं अऊर अन्य आदमी मारमारके ओके अधमरा करथेन, वईसन ही एडस् के वजह से मनईक प्रतिकार शक्ती खत्म होई जाथं। ऊ साधारण रोग से भी मार खायं जाथं। एडस् विषाणू क संसर्ग होव्यपे कुछ साल तक ओके आदमी अईसन कवनव भी लक्षण नाय दिखात अऊर ऊ साधारण मनई जईसन दिखथं। लेकीन ओसे अऊर लोगनं के मिलयं से होय सकथं। दुनियॉ भरेमें एडस् विषाणू क संसर्ग होव्यपे एडस् होव्यबिना 7-10 साल लगथं। लेकीन भारत में 5-7 साल लगीं अईसन तज्ञों मानथेनं।

एडस् क रोगी मुक्त नाय होय सक्तेनं। एडस् के ईलाज नाय होय सक्तेनं। एडस् के ईलाज बीना दवाई बनता। लेकीन ई दवाई ईतनी महंगी बा की साधारण मनई ऐके खरिद नाय सकथं। का हम्यं एडस् बां? शकांवाले लोगन के तुरंत आपने खून क जांच करवायं लेव्यके चाहीं। जेसे की विषाणू क फईलाव दुसरे लोगन के न होय सकें। एक आदमी के दुसरे आदमी के विषाणू संसर्ग से सिर्फ ई तरिकासे होय सकथं।

1) शारीरीक संबोधोव्दारा। वीर्य अऊर योनिस्त्राव में जन्तू होथेनं। ई रोगी आदमी से निरोगी इन्सान के मिलथं। रोगी इन्सान के लगल इंजेक्शन क सुई के अच्छी तरह उबालके साफ नाय करतं अऊर ओसे कवनव दुसरे निरोगी इंन्सान के इंन्जेक्शन लगायं देयलं गयलं त ऊ सुई के नोकपे विषाणू होथेन अऊर निरोगी इंन्सान में प्रवेश करथं।

एड्स भयल इंन्सान अगर अन्जाने में खून दान किहेस अऊर ऊ खून कवनव निरोगी के दिहलं गयलं त ओके एड्स होई।. ऐहिबीना केहूके खून क जरुरत पडयंत अपने दोस्तन से या घरेवालन से खून लेव्यके चाहीं।. बाजारेमें खरिदल खून से एड्स होव्यक सम्भांवना बा।.

2) गर्भावती के एड्स होईत ओकरे गर्भ के होई सकथं।. महतारी के अगर एड्स होईत स्तनपान से लडिक्याके होव्यक थोडा सम्भावना बां।. लेकीन बीना स्तनपान के कमजोरी अऊर अन्य रोग होईके लडिक्याॅ के मरयं क स्मभावना होथ।. ऐहिबीना भारत जईसन विकसीत देश में एड्स भयलं महतारीन स्तनपान करयं के चाहीं।. अईसन सुचना दुनियाभरक स्वास्थ संगठन देथेनं।. निर्णय हर एक के खूद लेव्यके बां।.

निचे दिहल गयंल बातेसे एड्स नाय फईलत।. हाथ मिलाव्यसे, अलिगनं, खांसब, नाक साफ करब, चुंबन लेव्यसे, एक बाथरुम, संडास, टेलीफोन, थरियॉ-कटोरी, गिलास, बर्तन, पानी पोउड्यवाला, रोग क फईलाव नाय होथं।. ई तरिकासे एड्सग्रस्त इंन्सान से समाजके कवन भी प्रकार क धोखा नाय होथ।.

घरेके बहरे खाना खाऐसे पेट खराब होथं।. शरीर क भूख घरेके बहरे मिटाव्यसे एड्स होई सक्थं।. संबंध सुरक्षित होव्यके चाही।. मतलब निरोध के जरुरत में लियाव्यके चाही।.

राम-सीता जईसन रहयं के चाही।. एक्खे पत्नीव्रत पालन खरयं के चाहीं।. पराऐ व्यक्तीके सघें शरीर सबंध न होव्य देयं।. त एड्स न होई।. जननेद्रियापे कवनव फुन्सी या रोग होईत एड्स होव्यक संम्भावना बनथं।. ऐहिबीना अईसन रोगें क ईलाज जलदी करयं के चाहीं।. अलग - अलग मनईन के साथ शरीर संबध न होवब सबसे अच्छा बा।. मेहारारुन संबंध सुरक्षित रहयं ऐकर ध्यान देयं।. सुरुवात में निरोध अपनाव्यं।. अगर निरोध इस्तेमाल भी करथेन त भी गुदद्वार में मैथून न करयं।. ई ज्यादा धोकादायक बां।.

इंजेक्शन टालयं।.

जंतू न रहयवाला इंजेक्शन सुई क उपयोग करयं के चाहीं।. सिरीज के उपर खराब खून के बूंद से भी एड्स संभव बां।.

अईसन खराब सुई दुसरे व्यक्तीके शरीर पे इस्तमाल करयं से एड्स होथ।. लोक जब मादक द्रव्य क सेवन करथेन त मादक द्रव्य सेवन करयं वाले में से कवनव एक्व भी एड्स भयल ंहोईत ऊ सबके होय सकथं।. ईही तरीका से मणीपूर में एड्स क फईलाव ज्यादा होय गयलं बां।. जवान मनईन ई ज्यादातर ई मादक

द्रव्यसे दूर रहयं के चाहीं।. मादक द्रवक सेवन करब ही जानवेला बां।. लेकीन एड्स के डर के वजह से कमस-कम खूदक इंजेक्शन क सुई अऊर सिरींज अलग रखयं के चाही।. टिका दिहल गयलं सुई अऊर डॉक्टर क सुई सुरक्षित रहथं।.

दवाई व्यवसायवाला आदमी के द्वारा रोगी क खराब सुई अगर गलती से भी लगायलं जाथत एड्स होई सकथं।. ऐन्हनके खूदके वजह से दुसरन के एड्स होव्यक संभावना ज्यादा होथ।. ऐहिबीना ओन्हन खूदक बहूत ध्यान देयं अऊर ध्यान से अलग काम करत रहयं।.

टिकाकरण के बजाय जानक धोका के स्थिती में इंजेक्शन क जरुरत पडथं, अऊर बाकी वक्तपे इंजेक्शन टाल सक्थेनं।. जब गोली लेयं सक्थेन त ऊ वक्तपे पतील दवाई लेथेन तब इंजेक्शन न लेव्यके चाही।. डॉक्टरसे प्रार्थन करयं कि जहॉ जरुरी बा उही इन्जेक्शन देयं।.

काने में छेद करब, दातं साफ करब, हाथे, गोडे में गोदना, एक्यूपंचर आदि क इस्तेमाल होव्यवाली सुईक नोक पर रहयवाले जंतू दुसरे के शरीरीमें जाय सक्थेनं।. जवन-जवन जरुरी नाय बा ओके टालय के चाहीं।. सुईक शुदि्धकरण जरुरी बा।.

नाई के दुकानेपे हर व्यक्ती बीना अलग अलग ब्लेड उपयोग करयं के चाहीं अऊर अपने के भी ई निश्चित कई लेव्यकें चाहीं।. एड्स भयल मेहरारुन गर्भ धारण करयं से पहिले सलाह लेयं।. अईसन मेहरारुन के होव्यवाला हर तीसरा लडिक्यॉ के जन्म से हि एड्स होथं।. अऊर अईसन लडिक्यॉ तीन साल क आयु पूरा करयं के बाद पहिल्यं मर जाथेन।.

लडिक्यन के शिक्षा देयं।.

महतारी- बापेके चाहि की ओन सभे समदार लडक्यन के एडस् के बारेमें जानकारी देयं।. एड्स के बारे में बताईके अपूना अऊर लडक्यन के बचाव्य के चाहीं।. ओकरे पुरी जानकारी अच्छेसे बताऊब जरुरी बां।. लडक्यन के मनेमें एड्स भयल इंन्सान के प्रती सहानुभूती क भावना निर्माण करब जरुरी बा। एड्स क फईलाव, ओन्हनके समझय के बाकी दोस्तन से मेलजोल- खेल के वजह से नाय होत।. अतः ईन्सान से नफरत या घृणा क भावना न रखय।.

एड्स ज्यादा तेजीसे बढता।. युवा पिढी के एड्स से बचाऊब अऊर दूर रखब सबक परम कर्तव्य बां।. ओन्हनके एड्स के बारेमें पूरी जानकारी देईके ई कार्य अच्छी तरह से पुरा करयं के चाही।.

(सदर्भ ः- फॅकटस फॉर लाईफ युनीसेफ की

190 देश में 170 भाषामें प्रकाशित उपलब्ध

जीवनाश्यक पुस्तक।.)